Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
BA-312

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination Jan. – Feb. – 2022

B.A. (with Yoga Science) Semester : Third

संस्कृत : प्रश्न-पत्र : द्वितीय

साहित्यं धर्मशास्त्र च

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. 'सुषेण निघण्टु' ग्रन्थ का प्रतिपाद्य विषय निरूपित कीजिए।
2. 'मनुस्मृति' ग्रन्थ के आधार पर 'फलविषयक संकल्प का त्याग' विषय पर टिप्पणी लिखिए।
3. मूलरामायण के पूर्वार्द्ध का सार अपने शब्दों में लिखिए।
4. 'सुषेण निघण्टु' ग्रन्थ का एक कण्ठस्थ श्लोक लिखकर उसकी विशद व्याख्या कीजिए।
5. 'शीतलं वृष्यमायुष्यं दाहज्वरहरंपरम्' की व्याख्या संस्कृतभाषा में कीजिए।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. उपनीय गुरुः शिष्यं शिक्षयेच्छौचमादितः।
   आचारमग्निकार्यं च सन्ध्योपासनमेव च।।
   इस पद्य की सन्दर्भसहित व्याख्या कीजिए।

7. परोक्षं सत्कृपापूर्वं प्रत्यक्षं न कथञ्चन।
   दुष्टानुचारी न गुरोरिह वाऽयुत्र चैत्यधः।।
   इस पद्य की सप्रसंग व्याख्या करें।

8. ततः प्रीतमनास्तेन विश्वस्तः स महाकपिः।
   किष्किंधां रामसहितो जगाम स गुहां तदा।।
   इस पद्य की सन्दर्भ सहित व्याख्या करें।

9. चारित्रेण च को युक्तः सर्वभूतेष को हितः।
   विद्वान् कः कः समर्थश्च कश्चैक प्रियदर्शनः।।
   इस पद्य की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

10. 'पानीयवर्गः इत्यस्य सारः लेखनीयः।
11. 'मूलरामायणम्' ग्रन्थ के रचनाकार का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
12. संक्षेप में मनुस्मृति का महत्व प्रतिपादित कीजिए।

----------x----------